मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 99 ■ सोमवार, 30 जून 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
epaper.ulhasvikas.com

FOLLOW US · GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play · Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel · Subscribe

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

कामयाबी के साथ मुफ्त मिलता है अकेलापन!

PWD में भ्रष्टाचार कर भागने की फिराक में जाधव?

आखिर कब होगी फर्जी बिलों की जांच?

कार्यकारी अभियंता संदीप जाधव ने VRS मांगा

- बड़े ठेकेदार के लिए ही कार्य करता है संदीप जाधव
- जाधव व बड़े ठेकेदार पर आयकर विभाग व एंटी करप्शन की नजर
- ठेकेदार की GST चोरी भी उजागर हो
- मनपा आयुक्त PWD की उच्चस्तरीय जांच कराएं

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका के सबसे भ्रष्ट PWD विभाग में करोड़ों का भ्रष्टाचार करने के बाद सूत्रों से खबर मिली है कि इस विभाग को सालों से चलाने वाले और अपने पसंदीदा ठेकेदार को ठेका देने वाले कार्यकारी अभियंता संदीप जाधव जो शहर अभियंता का कार्य भी करते हैं उन्होंने अब मनपा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति VRS मांगा है और सेवानिवृत्त होकर भ्रष्टाचार के दाग से बचने के लिए भागने की फिराक में इसलिए हैं क्योंकि अब कभी भी उनके कार्य का भंडाफोड़ होगा और बड़ी जांच में फंसने की पूरी संभावना है। ऐसे में जाधव के कार्यकाल में जितने भी शहर विकास के बिल पास हुए हैं उसकी जांच होनी चाहिए ताकि इस विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार उजागर हो।

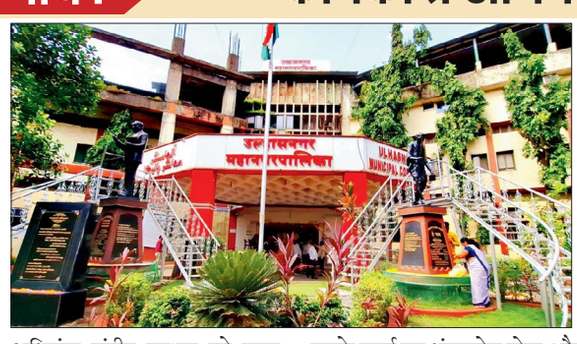

ज्ञात हो कि उल्हासनगर मनपा मुख्यालय के सबसे भ्रष्ट विभाग PWD में संदीप जाधव के आने से यहां पर टेंडर प्रक्रिया आनलाईन से मैनुअल हो गई ताकि ज्यादा से ज्यादा भ्रष्टाचार हो सके। बड़े टेंडरों को छोटे छोटे कर मोनोपोली कर अपने पसंदीदा ठेकेदार को दिया जाना और उस ठेकेदार द्वारा 18 प्रतिशत खुले तौर पर GST की चोरी करना और फर्जी बिलों के आधार पर काम से पूर्व बिल पास होना जैसे कार्य इस विभाग में अब आम हो गए है। अगर जाधव के कार्यकाल की जांच की जाएं तो यह सच सबके सामने आ जाएगा कि हजारों करोड़ों का घोटाला PWD में जाधव के कार्यकाल में हुआ है। अब इस घोटाले का पर्दाफाश की भनक को देखते हुए जाधव ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति VRS मांगा है। क्या मनपा आयुक्त मनिषा आव्हाले इस भ्रष्ट विभाग का भ्रष्टाचार उजागर करेंगी या एक बार फिर इस भ्रष्ट विभाग को भ्रष्टाचार की खुली छूट दी जाएगी।

उल्हासनगर में बेकाबू कार ने लोगों को उड़ाया

- 3 महिलाएं घायल
- कार चालक हिरासत में
- कार चालक नशे में था इसकी जांच जारी

उल्हासनगर. उल्हासनगर में एक तेज रफ्तार कार ने तीन से चार लोगों को टक्कर मार दी। हादसा उल्हासनगर 4 के कुर्ला कैंप इलाके में हुआ। तेज रफ्तार कार जब कुर्ला कैंप इलाके में आ रही थी, तब उसने सड़क किनारे खड़े तीन से चार लोगों को टक्कर मार दी। एक दोपहिया वाहन सवार और कुछ महिलाएं घायल हो गईं। घायलों को उल्हासनगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि कार चालक के कार से नियंत्रण खो देने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार चालक को हिरासत में ले लिया है। इस बीच, पुलिस ने यह पता लगाने के लिए भी जांच शुरू कर दी है कि कार चालक नशे की हालत में था या नहीं।

उल्हासनगर में बहन के प्रेमी पर चाकू से वार

उल्हासनगर. मोटरसाइकिल सवार बहन के प्रेमी की पिटाई और चाकू घोंपने की घटना विठ्ठलवाड़ी पुलिस थाने की सीमा में हुई। विठ्ठलवाड़ी पुलिस ने प्रेमी की शिकायत के आधार पर दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

उल्हासनगर के कैंप क्रमांक 4 स्थित वीनस चौक पर गुरुवार रात 1 बजे एक लड़की ने अपने ब्वॉयफ्रेंड को फोन कर बुलाया. उसके भाई ने उसे मोटरसाइकिल पर घर जाते समय देखा। सिंधी मराठी स्कूल की ओर जाने वाली सड़क पर भाई ने अपनी मोटरसाइकिल रोकी और अपनी बहन से पूछा कि यह लड़का कौन है। उसने जवाब दिया, यह मेरा बॉयफ्रेंड है. जैसे ही बहन ने जवाब दिया तो भाई ने अपने दोस्त के साथ मिलकर प्रेमी की पिटाई कर दी और उसके हाथ पर चाकू से वार कर दिया। उसने उसके हाथ पर भी पत्थर फेंका। इस मामले में विठ्ठलवाड़ी पुलिस ने प्रेमी की शिकायत के आधार पर दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

आपातकाल की पृष्ठभूमि में मनपा का विशेष कार्यक्रम

- उल्हासनगर में विशेष फिल्म का स्क्रीनिंग

उल्हासनगर. 25 जून 1975 को लगाया गया आपातकाल भारत के लोकतंत्र के लिए एक बड़ा खतरा बन गया था. लेकिन उसी संकट में, कई लोगों ने सत्याग्रह किया, कारावास झेले, और लोकतंत्र को बचाया। इस ऐतिहासिक संघर्ष के पचास साल बाद उल्हासनगर महानगरपालिका ने एक विशेष फिल्म के माध्यम से इस संघर्ष को नई पीढ़ी के सामने प्रस्तुत किया। 25 जून 1975 को लागू हुए आपातकाल को 50 वर्ष हो चुके हैं, जो भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का एक काला दौर था। उस पृष्ठभूमि में, राज्य सरकार के निर्देश और केंद्र सरकार के निर्देशानुसार उल्हासनगर महानगरपालिका में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मनपा में विशेष जागरूकता फिल्म

उल्हासनगर महानगरपालिका मुख्यालय के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में आपातकाल के दौरान सत्याग्रहियों के संघर्ष पर आधारित एक विशेष शैक्षणिक फिल्म दिखाई गई। यह वीडियो राज्य सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क महानिदेशालय के माध्यम से उपलब्ध कराया गया। यह कार्यक्रम नगर प्रशासक एवं आयुक्त मनीषा आव्हाले के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त स्नेहा करपे, सहायक आयुक्त तथा जनसंपर्क अधिकारी अजय साबले, सहायक आयुक्त सलोनी निमकर, साथ ही विभिन्न विभागों के मुख्य अधिकारी तथा मनपा कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

लोकतांत्रिक संघर्ष की एक प्रेरक झलक

यह फिल्म भारत के लोकतांत्रिक संघर्ष की एक प्रेरक झलक है। यह हमारा कर्तव्य है कि इसे अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंचाया जाए। क्योंकि इतिहास को समझे बिना भविष्य को सुरक्षित नहीं किया जा सकता है, इस पहल के माध्यम से, उल्हासनगर महानगरपालिका ने लोकतंत्र के मूल्यों को जगाने के लिए एक बहुत ही संवेदनशील और विचारोत्तेजक कार्यक्रम लागू किया है, ऐसा जनसंपर्क अधिकारी अजय साबले ने कार्यक्रम के समापन पर कहा।

अंबरनाथ का मटका किंग बनता जा रहा अनिल शेठ

2 मटका अड्डे पर छापा मारकर 10 जुआरी पुलिस ने पकड़े

- अनिल भी आरोपी

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में अनिल नामक व्यक्ति मटका जुआ किंग बनता जा रहा है. कई बार मटका जुगार में पुलिस ने उस पर कार्रवाई की है. दूसरे दिन से फिर से वह जुगाह, सोरट, मटके के अड्डे शुरू कर देता है. जिसके कारण गरीब जनता जुगार में लुटते चले जा रहे हैं. अंबरनाथ पुलिस ने कामगार गार्डन के बाजू में मोरीवली नाका के एक शॉप में छापा मारकर अनिल द्वारा चलाए जा रहे सोरट, मटका जुगार खेल रहे आठ जुआरियों को पकड़ा है, जिसमें अनिल को भी मटका अड्डा चलाने के आरोप में पुलिस ने पकड़ा है. पुलिस एफआईआर में आरोपी जुआरी अनिल का नाम अनिल सेठ दर्ज किया है. अन्य जुआरी रायटर जय राजू कुकरेजा. रायटर आसन लेकाने, अनिल ने मटका अड्डा चलाने के लिए एक मैनेजर भी रका है, जिसका नाम व्यंकटेश सोनार है. उसको भी पुलिस ने पकड़ा है. मटका खेलने वाले श्रवण कुमार, अताबुल खान, बद्रीनाथ रणदिवे, अब्दुल अजीज बेलदार, राजू दावीत और अनिल शेठ को पुलिस पकड़कर पुलिस स्टेशन ले गई है. कुल आठ आरोपी पकड़े गए हैं. उन पर महाराष्ट्र जुगार प्रतिबंधक अधिनियम कलम 4,5 के अनुसार अपराध दर्ज किया गया है. अंबरनाथ पश्चिम गांवदेवी विमको ग्राउंड रोड शौचालय के पास मटका जुगार खेलते हुए पुलिस ने गौतम यादव और काशीनाथ सूपे को पकड़ा है. ये मटका अड्डा भी अनिल ही चला रहा था. अनिल अंबरनाथ का मटका किंग बनता जा रहा है. पुलिस को उस पर कडक कार्रवाई करने की जरूरत है. पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे को ध्यान देने की जरूरत है.

अंबरनाथ, हिललाइन पुलिस स्टेशन की नई इमारत बनकर हुई तैयार

- अंबरनाथ की इमारत में सहायक पुलिस आयुक्त कार्यालय भी होगा
- पुलिस आयुक्त, उपायुक्त, विधायक किणीकर ने दौरा किया
- लोकार्पण बहुत जल्द

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ और हिल लाइन पुलिस स्टेशन उल्हासनगर की नई इमारत का काम पूरा हो चुका है. अंबरनाथ पुलिस स्टेशन की इमारत में सहायक पुलिस आयुक्त का कार्यालय भी होगा. कुछ दिनों पूर्व पुलिस आयुक्त ठाणे आशुतोष डुंबरे ने अंबरनाथ का दौरा करके इमारत का निरीक्षण भी किया था. उनके साथ अन्य पुलिस अधिकारी भी थे. इसके बाद विधायक डा. बालाजी किणीकर, पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने भी दोनों नई इमारत का जायजा लिया. इसके बाद किणीकर ने पत्रकारों को बताया कि दो पुलिस स्टेशन की नई इमारत का लोकार्पण मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, अजित पवार के हाथों किया जाएगा. अंबरनाथ पुलिस स्टेशन पश्चिम और हिल लाइन पुलिस स्टेशन की इमारत एकदम जर्जर हो गई थी. विधायक किणीकर ने राज्य सरकार से निधि प्राप्त करके दोनों पुलिस स्टेशन की सुसज्ज इमारत को तैयार किया. अंबरनाथ की इमारत एक मंजिला है. जिसमें सभी सुविधाओं के साथ सभी पुलिस अधिकारियों को बैठने के लिए अलग-अलग कमरे बनाए गए हैं. अंबरनाथ और हिललाइन पुलिस स्टेशन इमारत दौरे के समय दोनों शहरों के शिवसेना नेता, राजेंद्र चौधरी, सुनिल चौधरी, अब्दुल शेख, सुभाष सालुंखे समेत महिला व पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित थे.

13वीं मंजिल से गिरकर मजदूर गंभीर घायल

बदलापुर. बदलापुर में निर्माणाधीन इमारत की तेरहवीं मंजिल से गिरकर एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना बदलापुर के शिरवाल चौक स्थित मोहन विलोज की निर्माणाधीन इमारत में घटी। तेरहवीं मंजिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए मजदूर का नाम प्रमोद रामलाल खड़िया (35) है। वह मूलतः छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। प्रमोद अपनी पत्नी के साथ एक निर्माणाधीन इमारत में काम कर रहे थे। दोपहर के समय, जब वह इमारत की तेरहवीं मंजिल पर काम कर रहा था, तो उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उस समय इलाके के लोगों ने उन्हें तुरंत इलाज के लिए बदलापुर के ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, बताया जा रहा है कि उनकी हालत बेहद गंभीर होने के कारण उन्हें मुंबई के केईएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदलापुर पूर्व पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी। इस बीच, कहा जा रहा है कि यह दुर्घटना इसलिए हुई क्योंकि इमारत में सुरक्षा जाल नहीं लगाया गया था। अब सबका ध्यान इस बात पर केंद्रित है कि पुलिस जांच में क्या खुलासा होगा।

उल्हासनगर में युवक पर हमला

उल्हासनगर. गुरुवार रात 2 बजे एक घटना घटी जब दोस्तों ने एक व्यक्ति को जन्मदिन मनाने के लिए बुलाया और मारपीट के बाद चाकू से हमला कर दिया. सेंट्रल पुलिस ने अब्दुल खान, ओम राजपूत, सूरज शुक्ला, सनी बिंद समेत 6 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

कैंप नंबर तीन इलाके में रहने वाले 16 वर्षीय मयंकराज सतीश नायगम का जन्मदिन मनाना है, ऐसा बोलकर अब्दुल खान और उसके दोस्त ने उसे गुरुवार रात दो बजे हीराघाट बिंदु चौक पर बुलाया. मयंकराज का जन्मदिन मनाने के बजाय, उन्होंने उसकी पिटाई करने की साजिश रची और उस पर चाकू से वार कर दिया और उसका मोबाइल फोन लेकर भाग गया। मयंकराज का इलाज चल रहा है।

टिटवाला बाल्यानी में अवैध चालियों पर चला हथौड़ा

- क्रिकेट मैदान के पास बनी चालियों को किया गया ध्वस्त

कल्याण. बारिश के मौसम में टिटवाला क्षेत्र के बाल्यानी और उंभार्ली इलाकों में भू-माफियाओं ने क्रिकेट मैदान के पास अवैध चालियों का निर्माण शुरू कर दिया था। इन अवैध निर्माणों की सूचना मिलने पर वार्ड ए के सहायक आयुक्त प्रमोद पाटिल ने भारी बारिश के बीच एक तोड़फोड़ दल की मदद से गुरुवार सुबह इन चालों को ध्वस्त कर दिया।

कल्याण डोंबिवली नगर पालिका के वार्ड ए के सहायक आयुक्त प्रमोद पाटिल को सूचना मिली कि बाल्यानी और उंभार्ली क्षेत्रों में क्रिकेट मैदान के पास झोपड़ियों का अवैध निर्माण चल रहा है। इन निर्माणों की पुष्टि बीट मुकादम के माध्यम से की गई थी। यह पता चलने पर कि क्रिकेट मैदान के पास चालियों का निर्माण कार्य चल रहा है, जहां पहुंचने के लिए कोई रास्ता नहीं था, सहायक आयुक्त पाटिल गुरुवार सुबह एक तोड़फोड़ दल के साथ बाल्यानी, उंभार्ली पहुंचे। चूंकि इन निर्माण स्थलों तक पहुंचने के लिए कोई सड़क नहीं थी, इसलिए वहां जेसीबी ले जाना संभव नहीं था। इसलिए इन निर्माणाधीन संरचनाओं को हथौड़ों की मदद से ध्वस्त कर दिया गया।

शिवसेना व मनसे ने एक साथ विरोध प्रदर्शन किया

- उल्हासनगर 4 में किया प्रदर्शन
- सरकार के जीआर के खिलाफ प्रदर्शन
- उद्धव ठाकरे गुट और मनसे के नेता हुए शामिल
- हिंदी अनिवार्य करने के लिए जारी जीआर पर आपत्ति

उल्हासनगर. महाराष्ट्र सरकार द्वारा स्कूली छात्रों के लिए हिंदी अनिवार्य करने के लिए जारी किए गए जीआर के खिलाफ शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट और मनसे ने आज उल्हासनगर कैंप 4 स्थित शिवसेना केंद्रीय शाखा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर दोनों दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हिंदी के लिए अनिवार्य जीआर को आग के हवाले कर होली जलाई। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट के कल्याण जिला प्रमुख धनंजय बोडारे ने कहा कि महाराष्ट्र की लाचार सरकार ने मुंबई महानगरपालिका के हिंदी भाषी लोगों को ध्यान में रखते हुए और मराठी से नफरत करते हुए हिंदी के लिए अनिवार्य यह जीआर जारी किया है। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान कल्याण जिला प्रमुख धनंजय बोडारे, दिलीप मिश्रा, शेखर यादव, सचिन कदम, बंडू देशमुख, संजय घुगे और अन्य नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

पड़ोसी ने बच्चे का किया अपहरण

- बदलापुर की घटना
- अपहृत बच्चे को 17 घंटे के भीतर छुड़ाया गया

बदलापुर. बदलापुर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जहां एक पड़ोसी ने दोस्त के घर खाना मांगा, लेकिन दोस्त की पत्नी ने उसे खाना देने से इनकार कर दिया और उसके इनकार से नाराज होकर उसकी साढ़े चार साल की बेटी का अपहरण कर लिया। इस मामले में बदलापुर पश्चिम पुलिस ने तेजी से जांच कर बच्ची को मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा के उमरेठ थाने की सीमा से मुक्त करा लिया है और आरोपी रंजीत धुर्वे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने महज 17 घंटे में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और लड़की की सकुशल रिहाई के लिए बदलापुर में पुलिस की प्रशंसा हो रही है।

आरोपी रंजीत धुर्वे बदलापुर पश्चिम में एक निर्माण स्थल पर मजदूर के रूप में काम कर रहा था। मजदूर बगल के मिट्टी के घर में रहते थे। यहां एक नेपाली दम्पति अपनी जुड़वां बेटियों और सात साल के बेटे के साथ रहते थे। तीन महीने पहले यहां काम के लिए आए रंजीत का नेपाली परिवार से परिचय था। इसलिए अक्सर उनके घर आना-जाना पड़ता था। मंगलवार दोपहर काम से घर आने के बाद रंजीत ने अपने मित्र की पत्नी से भोजन मांगा। हालाँकि, महिला ने खाना परोसने से इनकार कर दिया। अतः कुछ समय बाद गुस्से में आकर रंजीत धुर्वे ने अपने एक मित्र की बेटी को मीठी-मीठी बातें करके अगवा कर लिया। लड़की की मां को घर लौटने पर इस बारे में पता चला। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी।

मध्य प्रदेश के उमरेठ से किया गिरफ्तार

मामले की गंभीरता को देखते हुए बदलापुर पश्चिम थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच ने लड़की और आरोपी की तलाश शुरू कर दी। जोन 4 के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे, अपराध शाखा के उपायुक्त अमरसिंह जाधव व अशोक कोली की संयुक्त जांच में सीसीटीवी फुटेज, सूचना की जांच व आरोपी का पीछा करने के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी मध्य प्रदेश के मोरडोंगरी जाने वाला है। उसके आधार पर उल्हासनगर क्राइम ब्रांच की यूनिट 4 की पुलिस ने अंबरनाथ और बदलापुर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ अधिकारियों की मदद से तुरंत मध्य प्रदेश के उमरेठ पुलिस स्टेशन जाकर स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी रंजीत धुर्वे को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही बच्चे को भी बचा लिया गया। महज 17 घंटे में आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए शहर में पुलिस की सराहना की जा रही है।

आरक्षित भूखंडों पर हो रहा अतिक्रमण

- राजस्व विभाग ने लगाया पतरे का कवच

उल्हासनगर. शहर में आरक्षित और खुले भूखंडों पर अतिक्रमण हो रहा है, वहीं राजस्व विभाग ने शुक्रवार को सी ब्लॉक में खुले भूखंड को कागज का सुरक्षा कवच प्रदान करने का प्रयास किया। हालांकि, यह सुरक्षा कवच कब तक कायम रहेगा, इसे लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा चल रही है। उल्हासनगर में आरक्षित भूखंडों, खुले स्थानों और सरकारी जमीन पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हुआ है और जमीन के सनद भी निकाल लिए गए हैं। मनपा स्कूल मैदान, पुलिस कॉलोनी, महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण कार्यालय निवास और शहर में खुले स्थान भी इससे अछूते नहीं हैं।

आरोप लगाया जा रहा है कि वालधुनी नदी बाढ़ नियंत्रण रेखा और किनारे की जमीन का सनद लेकर और इसके बदले में मनपा से करोड़ों के टीडीआर लिए गए हैं.

ऐसे समय में राजस्व विभाग ने सी ब्लॉक में खुले भूखंड पर पतरे की सुरक्षा दीवार बना दी। साथ ही सरकारी भूखंड (सरकारी संपत्ति) की नामपट्टिका भी लगा दी।

राजस्व विभाग के इस कार्य की शहर में सराहना हो रही है। कई भूखंडों पर लगाए गए सरकारी संपत्ति के नामपट्ट कहां गए? यह सवाल भी पूछा जा रहा है। उल्हासनगर में कई जगहों पर सरकारी भूखंडों पर अतिक्रमण किया गया है। भू-माफिया सक्रिय हैं। भू-माफियाओं ने शहर के कई आरक्षित और खुले स्थानों पर अपनी नजरें गड़ा दी हैं और उन पर सनद जारी करने की घटनाएं भी हुई हैं। प्रांतीय कार्यालय द्वारा ऐसे सनद जारी किए जाने के कारण नागरिकों ने कुछ साल पहले सनद रद्द करने के लिए मार्च निकाला था। राजस्व विभाग की कार्रवाई से भू-माफियाओं के हौसले हिल गए हैं और कहा जा रहा है कि वे सक्रिय हो गए हैं। शहर में इस कार्रवाई का स्वागत किया जा रहा है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

त्रिभाषा सूत्र या सियासी सूत्र?

देश में हर व्यक्ति को अपनी भाषा के चयन की आजादी है। जाहिर है कि कोई भी व्यक्ति उसी भाषा को तरजीह देगा, जो उसके लिए सहज होगी। हालांकि, बदलते वक्त के साथ जीवन में बढ़ती जरूरतों के हिसाब से एक से ज्यादा भाषाएं सीखने के महत्त्व को भी नकारा नहीं जा सकता। मगर, भाषा को लेकर विवाद की गुंजाइश क्यों पैदा हो रही है? किसी एक भाषा के लिए दूसरी का विरोध करना कितना तर्कसंगत है, यह सवाल फिर से गूंजने लगा है।

दक्षिण के कुछ राज्य हिंदी थोपे जाने का आरोप लगाते हुए इसके खिलाफ फिर मुखर होने लगे हैं। तमिलनाडु के बाद अब महाराष्ट्र में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के त्रिभाषा सूत्र का विरोध हो रहा है। जबकि, केंद्रीय गृहमंत्री ने साफ किया है कि हिंदी किसी भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि यह सभी भारतीय भाषाओं की सखी है और देश में किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए।

दरअसल, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में राज्यों में तीन भाषाएं पढ़ाए जाने की बात कही गई है। इनमें भाषाओं का चयन राज्यों, क्षेत्रों और निश्चित रूप से स्वयं छात्रों की पसंद के आधार पर तय करने की बात कही गई है। बशर्ते तीन भाषाओं में से कम से कम दो भारत की मूल भाषाएं हों। इस नीति के आधार पर महाराष्ट्र सरकार ने हाल में कक्षा एक से पांचवीं तक तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ाए जाने का फैसला किया है। शिवसेना (उद्धव) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) इसका पुरजोर विरोध कर रही हैं।

वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के अध्यक्ष शरद पवार का कहना है कि हिंदी किसी भी राज्य पर थोपी नहीं जानी चाहिए। यह बात सही है कि किसी भी राज्य, समाज या व्यक्ति को कोई एक भाषा अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है, लेकिन हिंदी के प्रति एक खास तरह के पूर्वाग्रह का क्या औचित्य हो सकता है? अगर कोई अपनी इच्छा से किसी भाषा का चयन करना चाहे तो उसे रोकना न्यायसंगत नहीं होगा। विद्यालयों में भाषा के चयन का फैसला विद्यार्थियों की रुचि के आधार पर हो तो इससे बेहतर और क्या हो सकता है।

जस्टिस यशवंत वर्मा हाजिर हों!

वारेन हेस्टिंग्स के खिलाफ महाभियोग (1788-1795) की बहस में सांसद और वकील एडमंड बर्क ने कहा था- सत्य, न्याय और इंसाफ के लिए कानून के मार्ग पर जो राष्ट्र चलता है, वही महान है। बेहद गंभीर आरोपों और पर्याप्त साक्ष्यों के बावजूद ब्रिटिश संसद ने हेस्टिंग्स को बेकसूर माना और कंपनी ने उन्हें 4,000 पौंड सालाना पेंशन भी दी। शायद सत्ता अपने लाडले सपूतों के बचाव में ऐसे ही न्याय के नाटक-नौटंकी करती रही है।

14 मार्च, 2025 को दिल्ली के एक बंगले के स्टोर रूम में आधी रात आग लगने से धुंआ उठने लगा। आग में जलते नोटों के ताप से कांच की बोतलें टूटने और शराब बहने से आग और भड़क उठी। आग में शराब ने घी से भी अधिक खतरनाक काम किया। बंगला दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को आवंटित था।

दमकल, पुलिस आई, आग बुझाई, वीडियो बनाई और जले-अधजले या बचे करोड़ों रुपये और शराब की बोतलों को यूं का यूं छोड़ चली गई। कोई पंचनामा (एफआइआर) या बरामदगी नहीं की गई। घटना के समय जस्टिस वर्मा और उनकी पत्नी भोपाल में थे। अगले दिन आए तो घटनास्थल पर शेष-अशेष कुछ न था। विश्वासपात्र सचिव और अन्य सेवकों ने सब साफ-सफाई कर दी। मीडिया में हफ्ते भर तक कोई खबर नहीं।

कैश कांड की जानकारी गोपनीयता और संवेदनशीलता के घूंघट में उच्चाधिकारियों, न्यायाधीशों के बीच घूमती रही। अदालत के गलियारों में धुंआ, धूल और धुंध...खामोशी का षड्यंत्र गहराता रहा, अटकलों का बाजार गर्माता गया। कुछ पत्रकारों ने पर्दा हटाना शुरू किया तो पहले जज

साहब को न्यायिक कार्य न करने के निर्देश और फिर इलाहाबाद वापस जाने के आदेश जारी हुए। कैश कांड की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई।

समिति की रिपोर्ट आने के बाद सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने जस्टिस यशवंत वर्मा पर महाभियोग चलाने की सिफारिश करके गेंद संसद के पाले में लुढ़का दी और खुद सेवानिवृत्त हो गए। न्यायपालिका की प्रतिष्ठा बचाने के लिए अधिकांश दस्तावेज (जांच रिपोर्ट के अलावा) सार्वजनिक करने पड़े। न जाने कैसे जांच रिपोर्ट बाद में लीक हो गई। जांच समिति में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अनु शिवरमन शामिल थे।

फिलहाल महाभियोग की पेचीदा प्रक्रिया चलाने या न चलाने के मुद्दे पर वाद-विवाद, सहमति-असहमति की राजनीति के इर्द-गिर्द ही वरिष्ठ वकीलों द्वारा सार्वजनिक रूप से कानूनी तर्क-वितर्क रचे जा रहे हैं। कानून मंत्री सभी दलों के बीच आम सहमति बनाने में प्रयासरत हैं। एक ओर न्यायपालिका में आमजन की आस्था बचाए रखने के लिए और संसद को इस मामले पर बहस करने, वोट देने और अभियोग सिद्ध करने की दुःसाध्य जटिलता से बचाने के लिए यह सलाह दी जा रही कि जस्टिस वर्मा इस्तीफा दे दें, ताकि न्यायपालिका और संसद का धर्मसंकट से बचाव हो सके। दूसरी ओर उपलब्ध तथ्यों पर गंभीर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। सांसदों में वकील और वकीलों में सांसद के रूप में जाने-पहचाने चेहरे रोज नया रास्ता तलाश-तराश रहे हैं।

कुछ विद्वानों का तो यहां तक कहना है कि यह भ्रष्टाचार का मामला ही नहीं, पर यथार्थ यह भी है कि न्याय मंदिरों के विशाल प्रांगण में भी भ्रष्टाचार के विष-वृक्ष अप्रत्याशित रूप से फलते-फूलते रहे हैं। यौन शोषण से लेकर आर्थिक धांधली तक के आरोपों में अकसर लीपापोती होती रही और अधिक हुआ तो न्यायाधीशों से इस्तीफा लेकर बाइज्जत मुक्त कर दिया गया। विचारणीय है कि कूड़े को कालीन तले छिपा कर न्यायिक संस्थाओं की छवि को कब तक विश्वसनीय रखा जा सकता है?

इस्तीफा के बारे में सोचते ही न्यायाधीश शामित मुखर्जी सामने आ खड़े होते हैं, जिन पर आपराधिक मामला अभी तक लंबित है। इससे इन्कार नहीं कि शायद कोई न कोई दल जस्टिस वर्मा को भी वैसे ही बचा ले, जैसे कांग्रेस ने वाकआउट करके जस्टिस रामास्वामी को बचाया था। कांग्रेस जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की भी मांग कर रही है। राजनीति के अपराधीकरण के मौजूदा दौर में अनुमान लगाना मुश्किल है कि अंतिम क्षणों में क्या फैसला लिया या नहीं लिया जाएगा।

हमारी आत्मा का बाहरी रूप ध्यान है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

पहलगाम पर चुप्पी और बलूचिस्तान पर बयान

आतंकवाद के मसले पर समूची दुनिया में एक राय देखी जाती है कि जब तक इसके खिलाफ संयुक्त मोर्चा नहीं खोला जाएगा, इस पर पूरी तरह काबू पाना संभव नहीं होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस बात की अपेक्षा और मांग की जाती है कि किसी भी देश या समूह को इस मामले में दोहरा रवैया नहीं अपनाना चाहिए। मगर आतंकवाद की समस्या से उपजी फिक्र तब बेमानी हो जाती है जब क्षेत्रीय सहयोग के लिए गठित देशों के किसी समूह में आतंक का सामना करने को लेकर दोहरे पैमाने अपनाए जाते हैं।

गौरतलब है कि चीन के किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ के सम्मेलन में जो साझा बयान तैयार किया गया, उसमें बलूचिस्तान का उल्लेख तो किया गया, लेकिन पहलगाम का जिक्र नहीं किया गया। हालांकि पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले और उसकी प्रकृति को सभी देश आतंकवाद का एक क्रूर चेहरा ही मानते हैं और उसके खिलाफ अभियान चलाने को लेकर प्रतिबद्धता जताते रहते हैं। लेकिन विचित्र है कि एससीओ की बैठक में आतंकवाद से लड़ाई के संदर्भ में पहलगाम हमले को दर्ज करना जरूरी नहीं समझा गया।

इसलिए यह स्वाभाविक ही है कि इस बैठक में तैयार संयुक्त बयान पर

भारत ने हस्ताक्षर करने से मना कर दिया और साफतौर पर कहा कि यह बयान आतंकवाद के खिलाफ भारत के मजबूत रुख को नहीं दिखाता। इसके बाद यह सम्मेलन बिना संयुक्त बयान जारी किए ही समाप्त हो गया। यह जगजाहिर हकीकत रही है कि भारत में आतंकवाद की समस्या को जटिल बनाने में पाकिस्तान ने कोई कसर नहीं छोड़ी है।

इस तथ्य को दुनिया के ज्यादातर देश भली-भांति जानते हैं। खुद चीन के बेजिंग में कुछ वर्ष पहले हुए ब्रिक्स देशों के सम्मेलन के घोषणापत्र में इस तथ्य को शामिल किया गया था कि कई बड़े आतंकवादी संगठन पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करते हैं। फिर पहलगाम में पर्यटकों पर बर्बर हमलों में भी पाकिस्तान से आए आतंकियों का हाथ होने की बात सामने आई थी। इसके बावजूद एससीओ सम्मेलन के संयुक्त बयान में पहलगाम हमले का जिक्र नहीं किया जाना क्या दर्शाता है?

सवाल है कि इस सम्मेलन में क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए संगठन के सदस्य देश हिस्सा ले रहे हैं, तो भारत में आतंकवाद पर उनके दोहरे पैमाने दुनिया के सामने इसके खिलाफ लड़ाई का कैसा रास्ता तैयार करेंगे। वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान आतंकवाद को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से शह देने की अघोषित नीति पर काम करता है और अपनी सीमा में आतंकवादियों को पनाह देता रहा है! भारत में घुसपैठ से लेकर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और आतंकी हमलों का सिरा कहां से जुड़ा होता है, यह छिपा नहीं है। विडंबना यह है कि इसके बावजूद चीन आमतौर पर पाकिस्तान के हक में खड़ा दिखता रहा है। एससीओ की बैठक के संयुक्त बयान में भी पहलगाम को शामिल न कर बलूचिस्तान का जिक्र करने की कोशिश क्या चीन का पाकिस्तान को स्पष्ट समर्थन नहीं है? आतंकवाद पर ऐसे दोहरे पैमाने के साथ इसके खिलाफ किस तरह की लड़ाई का दावा किया जा सकता है? इस संदर्भ में भारत ने उचित ही एससीओ के देशों, खासतौर पर चीन और पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया है कि आतंकवाद के मुद्दे पर वह किसी के सामने झुकने वाला नहीं है।

दुनिया की सबसे बड़ी कार, नीचे खड़ा हो सकता है आदमी

दुनिया की सबसे बड़ी कार ऊंचाई, चौड़ाई और लंबाई में अन्य कारों से बहुत ही बड़ी है. यह कार इतनी बड़ी है कि एक पांच फुट 10 इंच

जरा हट के

आदमी सीधा तन कर खड़ा रह सकता है और कार उसे बिना छुए ही उसके ऊपर से गुजर सकती है. खास बात ये है कि इसके एक टायर की कीमत 21 लाख रुपये से भी ज्यादा है, यानी इससे भारत में कम से कम तीन सामान्य कारें तक खरीदी जा सकती हैं.

इस कार के आकार की बात करते हैं.

दुनिया की सबसे बड़ी कार माने जाने वाली हमर एच1 से यह कार तीन गुना लंबी, तीन गुना ऊंची और तीन गुना चौड़ी है. यह भी हमर मॉडल ही है. और खास बात ये है कि आम कारें और एसयूवी की भी ऊंचाई इसके टायर से कम होती हैं. देखने से लगता है कि यह कार चलती कहां होगी. लेकिन यह कार वाकई चलाई जाती है. हां, ये हर सड़क पर नहीं चल सकती है.

एक नहीं चार इंजन है इसमें

कार में सबसे अहम चीजों में कार के इंजन की शक्ति की बात होती है. तो इस कार में चार इंजन होते हैं और चारों इंजन को अलग अलग स्टार्ट किया जा सकता है. इस कार को चलाने वाले ड्राइविंग कंट्रोल सिस्टम को देख कर लेगा कि आप किसी ट्रेन को चलाने वाले हैं. इसमें चार टीवी स्क्रीन लगी हैं, जिससे ड्राइवर को हर तरफ देखने में आसानी हो सके.

कार के अंदर 60 वर्ग मीटर का हॉल जैसी बैठक है जिसमें सोफे लगे हुए हैं. चारों तरफ के पारदर्शी काचों में बड़े बड़े वाइपर भी लगे हैं. वीडियो को इंस्टाग्राम पर यूज़र @supercarblondie ने शेयर किया है और इसे एक ही दिन में 25 लाख व्यूज़ मिल चुके हैं. यूज़र ने कैप्शन में, 'इसे पार्क करने के पर्याप्त जगह खोजने के लिए शुभकामनाएं.' लिखा है. जहां कई लोगों ने इस कार में गहरी दिलचस्पी दिखाई है. वहीं कुछ लोगों ने इसे बाने के औचित्य पर ही सवाल उठा दिया है.

खाना-खजाना

कढ़ी पकौड़ा

सामग्री :

पकोड़े के लिए
- बेसन एक कप
- प्याज एक बारीक कटा हुआ
- हरी मिर्च एक बारीक कटी हुई
- अजवाइन आधा छोटा चम्मच
- नमक स्वादानुसार
- पानी जरूरत के अनुसार
- तेल तलने के लिए

कढ़ी के लिए
- बेसन आधा कप
- दही डेढ़ कप
- हल्दी आधा छोटा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर एक छोटा चम्मच
- नमक स्वादानुसार
- पानी तीन से चार कप

तड़के के लिए
- राई आधा छोटा चम्मच
- जीरा आधा छोटा चम्मच
- साबुत लाल मिर्च
- हींग एक चुटकी
- मेथी दाना एक चौथाई छोटा चम्मच
- कढ़ी पत्ता
- तेल एक बड़ा चम्मच

विधि :

सबसे पहले एक कटोरे में एक कप बेसन, कटी प्याज, हरी मिर्च, अजवाइन और नमक मिलाएं। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए गाढ़ा घोल तैयार कर लें। अब कड़ाही में तेल गरम करें और छोटे-छोटे गोले डालकर पकौड़े तल लें। एक बड़े बाउल में आधा कप बेसन और डेढ़ कप दही को अच्छे से फेंट लें। इसके बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च, नमक और तरीन से चार कप पानी मिलाकर पतला घोल बनाएं। अब इसे एक गहरे बर्तन मध्यम आंच पर चढ़ाएं। लगातार चलाते रहें जब तक उबाल न आ जाए। जब ये घोल पक जाए तो एक छोटे से पैन में एक बड़ा चम्मच तेल गर्म करें। इसमें राई, जीरा, हींग, लाल मिर्च, मेथी दाना और कढ़ी पत्ता डाल कर चटकने दें। अब इसे कढ़ी में मिला दें। इसके बाद पकौड़ों को कढ़ी में डालकर पांच मिनट के लिए पकने दें। इसके बाद गैस बंद करके थोड़ी देर के लिए ढक रख दें। आप इसे चावल के साथ परोसें। ऊपर से हरा धनिया डालकर सजाएं।

40 के बाद डाइट में शामिल करने चाहिए ये फ्रूट्स

40 की उम्र के बाद महिलाओं के शरीर में कई फिजिकल और हार्मोनल बदलाव आते हैं, जिससे मेटाबॉलिज्म धीमा हो सकता है, हड्डियों की मजबूती कम हो सकती है और स्किन पर झुर्रियां दिखने लग सकती हैं। इसलिए इस उम्र में हेल्दी और बैलेंस्ड डाइट लेना बेहद जरूरी हो जाता है, जिससे शरीर को सही पोषण मिल सके।
खासतौर पर, कुछ फलों को डाइट में शामिल करने से न सिर्फ इम्युनिटी और एनर्जी बनी रहती है, बल्कि बालों, त्वचा और हड्डियों की सेहत भी बेहतर होती है।तो आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ फलों के बारे में जो 40 के बाद महिलाओं के लिए बेहद फायदेमंद हैं।

★ पपीता

पपीते में पपैन एंजाइम होता है, जो पाचन में मदद करता है। यह विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो स्किन को हाइड्रेट करने और जवां बनाए रखने में मदद करता है।

★ सेब

सेब में फाइबर, विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं और हार्ट को हेल्दी बनाए रखते हैं। यह वेट कंट्रोल करने और ब्लड शुगर बैलेंस करने में भी मदद करता है।

★ अनार

अनार महिलाओं के लिए एक सुपरफूड है, क्योंकि यह ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है और

शरीर को आयरन प्रदान करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स स्किन को एजिंग से बचाते हैं और हार्ट हेल्थ को बेहतर बनाते हैं।

★ संतरा

संतरे में भरपूर मात्रा में विटामिन सी होता है, जो कोलेजन उत्पादन को बढ़ाकर स्किन को टाइट करता है और ग्लोइंग बनाता है।

★ बेरीज (ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी, रसबेरी)

बेरीज विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, जो दिमागी सेहत को बनाए रखते हैं और स्किन को झुर्रियों से बचाते हैं।

★ एवोकाडो

एवोकाडो में हेल्दी फैट्स होते हैं, जो हार्मोन बैलेंस बनाए रखने में मदद करते हैं और स्किन को सॉफ्ट और स्मूद बनाते हैं।

★ तरबूज

तरबूज पानी से भरपूर होता है, जो शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है।

★ अंगूर

अंगूर में रेस्वेराट्रॉल नामक पोषक तत्व होता है, जो हार्ट संबंधी रोगों से बचाव करता है और स्किन को जवां बनाए रखता है। 40 के बाद महिलाओं के लिए बैलेंस्ड डाइट लेना बहुत जरूरी है और इन 9 फलों को अपनी डेली डाइट में शामिल करने से सेहत, स्किन और एनर्जी बेहतर बनी रहती है।

★ केला

40 के बाद हड्डियों की मजबूती बनाए रखना जरूरी होता है, और केले में मौजूद पोटैशियम, मैग्नीशियम और विटामिन बी6 मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत रखते हैं।

आज का राशिफल

मेष : स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। कार्यों की गति धीमी रहेगी। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। निराशा हावी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। लाभ होगा।

वृषभ : आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता व लाभ प्राप्त होगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

मिथुन : जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी। दूसरों के कार्य में दखल न दें। प्रमाद से बचें।

कर्क : बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद न करें। बेचैनी रहेगी।

सिंह : धन का नुकसान या कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कुसंगति से बचें, हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी। प्रमाद न करें।

कन्या : मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी। नया उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बनेगी। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। समय अनुकूल है। प्रसन्नता रहेगी।

तुला : दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। निवेश में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। जरूरी वस्तु गुम हो सकती है।

धनु : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें, नुकसान संभव है। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। आय में कमी रहेगी। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मकर : विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी अपने के व्यवहार से दुःख होगा। उच्चाधिकारी का ध्यान खुद की तरफ खींच पाएंगे।

कुंभ : समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। समय अनुकूल है। लाभ लें। प्रमाद न करें।

मीन : राजकीय अवरोध दूर होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बस 15 मिनट में जमाएं दही

गर्मियों और बरसात के मौसम में घर में दही जमाना हर रसोई की जरूरत होती है, लेकिन कई बार घंटों इंतजार करने के बाद भी दही ढंग से जमती नहीं. न तो वो बाजार जैसी गाढ़ी होती है और न ही उसमें वह मलाईदार स्वाद आता है. आमतौर पर दही जमाने में 6 से 8 घंटे तक का समय लग जाता है और अगर मौसम ठंडा या नमी वाला हो, तो दही पतली और खट्टी भी हो सकती है. लेकिन अब एक देसी घरेलू ट्रिक वायरल हो रही है, जिससे सिर्फ 15 मिनट में बाजार जैसी गाढ़ी, थक्केदार और मलाईदार दही तैयार की जा सकती है. खास बात यह है कि इस ट्रिक में न कोई मशीन की जरूरत है, न कोई महंगा सामान सिर्फ आम घरेलू चीजों से यह कमाल किया जा सकता है.

क्यों नहीं जमती अक्सर दही ठीक से?

दरअसल, दही जमाने के लिए सही तापमान और एक्टिव कल्चर की जरूरत होती है. गर्मी या नमी ज्यादा होने पर दही खट्टी हो सकती है और अगर दूध ज्यादा गर्म या ठंडा हो, तो दही फट जाती है या जमी ही नहीं मिलती. बाजार में मिलने वाली दही इसलिए इतनी गाढ़ी होती है क्योंकि वहां प्रोसेस कंट्रोल और स्पेशल कल्चर इस्तेमाल किए जाते हैं. लेकिन अब आप बिना इन चीजों के घर पर वही क्वालिटी पा सकते हैं.

जानिए यह मजेदार ट्रिक...

जरूरी सामग्री:
- फुल क्रीम दूध – 500 मिली
- ताजा दही (जमा हुआ) – 1 छोटा चम्मच
- एक स्टील का डिब्बा या कटोरी

- एक बर्तन जिसमें गर्म पानी रखा जा सके
- एक ढक्कन या प्लेट

विधि:

1. सबसे पहले दूध को अच्छे से उबालें और फिर उसे हल्का गुनगुना होने तक ठंडा करें. ध्यान रखें कि दूध ना ज्यादा गर्म हो और ना ठंडा – बस उंगलियों से छूने पर हल्की गरमी महसूस हो.
2. अब एक स्टील के बर्तन में दूध डालें और उसमें 1 चम्मच ताजा दही मिलाएं. दही अच्छी तरह घुलनी चाहिए – इसके लिए चमचे से हल्के हाथों से चलाएं.
3. अब इस बर्तन को किसी बड़े बर्तन में रखें जिसमें पहले से ही गर्म पानी डाला हो (जैसे एक भगोना). पानी इतना होना चाहिए कि छोटा बर्तन उसमें 1/4 या आधा डूब जाए, लेकिन पानी दही वाले बर्तन के अंदर न जाए.
4. अब इस पूरे सेटअप को ढक दें – चाहें तो ऊपर से टॉवल या सूती कपड़ा भी लपेट दें ताकि गर्माहट बनी रहे.
5. बस 15-20 मिनट के अंदर दही जम जाएगी. आप देखेंगे कि दही बाजार जैसी गाढ़ी, मलाईदार और बिना खटास वाली बनी है.

मिल गया लंबी उम्र जीने का फॉर्मूला!

- सुबह की मात्र एक कप कॉफी में छुपा है राज
- नए शोध में हुआ खुलासा

क्या आप भी सुबह की कॉफी पीना पसंद करते हैं? एक नयी रिसर्च में पता चला है कि कॉफी आपको केवल तरोताजा ही नहीं करती, बल्कि बढ़ती उम्र की रफ़्तार को धीमा करने और लंबी उम्र में भी मदद कर सकती है. कॉफी में मौजूद कैफीन को पहले भी कई सेहत से जुड़े फायदों से जोड़ा गया है, जैसे उम्र बढ़ने पर होने वाली बीमारियों का खतरा कम होना. हालांकि, यूके में क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला है कि कैफीन मानव कोशिकाओं के अंदर कैसे काम करता है और उसका असर किन जीन (आनुवंशिक गुणों) और प्रोटीन से जुड़ा होता है. उन्होंने पाया कि कैफीन हमारे शरीर की कोशिकाओं में एक बहुत पुराने ऊर्जा-संबंधी सिस्टम को सक्रिय करता है. इसे एएमपीके कहा जाता है, जो यीस्ट (एक तरह का फंगस) और इंसानों दोनों में मौजूद रहता है.

क्या कहती है रिसर्च

क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के सेंटर फॉर मॉलिक्यूलर सेल बायोलॉजी में जेनेटिक्स, जीनोमिक्स और फंडामेंटल सेल बायोलॉजी के रीडर डॉ. चारलाम्पोस (बेबिस) रैलिस ने कहा, 'जब हमारी कोशिकाओं में ऊर्जा की कमी होती है, तब

एएमपीके काम करना शुरू कर देता है और कोशिकाओं को संभालता है. कैफीन इस सिस्टम को चालू करने में मदद करता है.'

यह काफी कैसे करती है काम

दिलचस्प बात यह है कि एएमपीके वही सिस्टम है जिस पर मेटफॉर्मिन नाम की एक मधुमेह (डायबिटीज) की दवा भी असर डालती है. इस दवा और रैपामाइसिन नाम की एक दूसरी दवा का अध्ययन उम्र बढ़ने के असर को कम करने के लिए किया जा रहा है. रिसर्च में यीस्ट मॉडल का इस्तेमाल कर वैज्ञानिकों ने दिखाया कि कैफीन एएमपीके पर असर डालकर कोशिकाओं की वृद्धि, डीएनए की मरम्मत और तनाव से लड़ने की क्षमता को प्रभावित करता है. ये सभी उम्र बढ़ने और बीमारी से जुड़े हैं. इस अध्ययन का नेतृत्व करने वाले पोस्टडॉक्टरल शोध वैज्ञानिक डॉ. जॉन-पैट्रिक अलाओ ने कहा कि इस शोध से समझ आता है कि कैफीन सेहत और लंबी उम्र के लिए क्यों फायदेमंद हो सकता है. साथ ही, भविष्य में इसे खाने-पीने की चीजों, जीवनशैली या नई दवाओं के जरिए और बेहतर तरीके से इस्तेमाल करने के रास्ते भी खुल सकते हैं.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

जमीन को लेकर खून-खराबा, एक युवक की मौत, पुलिस मुठभेड़ के बाद 3 आरोपी गिरफ्तार

फर्रुखाबाद. फर्रुखाबाद में जमीन के खातिर खून खराबा हुआ। ताबड़तोड़ फायरिंग होने से दूसरे पक्ष के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, अस्पताल पहुंचने से पहले एक युवक ने दम तोड़ दिया। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर नाकेबंदी कर मुठभेड़ के बाद तीन हत्यारोपियों को दबोच लिया। ये मामला नवाबगंज थाना क्षेत्र के रामनगर पुठरी गांव का है। शनिवार देर शाम जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हो गई। इस दौरान गांव के ही एक पक्ष के ग्रामीण सत्यपाल समेत अन्य के द्वारा फायरिंग की गई। इस दौरान दूसरे पक्ष के ग्रामीण महावीर, उनकी भतीजी रेनू उर्फ पलक और युवक आकाश गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को आनन-फान में पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने फर्रुखाबाद के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जहां प्राथमिक जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं अन्य दो की हालत नाजुक बनी हुई है।

तमंचे के बल पर 11 वीं की छात्रा से रेप

बरेली. यूपी के बरेली में एक दबंग ने तमंचा दिखाकर 11वीं की छात्रा से दुष्कर्म किया और उसकी अश्लील तस्वीरें खींच लीं। आरोपी फोटो वायरल करने की और पुलिस केस में फंसाने की धमकी देकर छात्रा से एक साल तक रेप करता रहा। छात्रा ने पुलिस से शिकायत करने की बात कही तो आरोपी ने फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। फरीदपुर के एक मोहल्ले की 17 वर्षीय किशोरी नगर के एक इंटर कॉलेज में छात्रा है। उसके पिता की मौत हो चुकी है। मां एक फैक्ट्री में नौकरी करती है। आरोप है कि पड़ोस के आजम का छात्रा के घर पर आना-जाना था। एक साल पहले छात्रा के साथ युवक ने उससे तमंचे के बल पर घिनौनी हरकत की। दुष्कर्म के साथ ही उसकी अश्लील तस्वीरें भी खींच लीं। दबंग छात्रा को तस्वीरें वायरल करने की धमकी देता रहा। इस धमकी के बल पर उसका जब मन करता तब छात्रा को ब्लैकमेल कर उसके साथ रेप करता था।

पिता ने कार के लिए रुपये नहीं दिए तो घर में लगाई आग, फूंकी बाइक और सामान

आगरा. आगरा में एक अजीब मामला देखने को मिला है। एक लड़के ने अपने ही घर में आग लगा दी क्योंकि उसे अपने पिता से बदला लेना था। अपने पिता की नाराजगी उसने घर पर निकाली और घर में सामान समेत आग लगा दी। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह मोहल्ला गोपालपुरा वार्ड नंबर 17 के निवासी भूरेलाल सिंह के घर सुबह आग की लपटें उठती देख हड़कंप मच गया। जानकारी देते हुए पीड़ित घूरेलाल ने बताया कि उसका बड़ा बेटा 30 वर्षीय रामनिवास दो दिन से मारुति कार की डिमांड कर रहा था। कार की डिमांड पूरी नहीं होने पर बेटे ने ही घर में आग लगाकर सब कुछ बर्बाद कर दिया है। उन्होंने बताया कि बेटा रामनिवास मंदबुद्धि है। आग में करीब चार से पांच लाख रुपये का सामान जल कर राख हो गया है। दमकल विभाग ने आग पर काबू पा लिया। हालांकि, तब तक घर में खड़ी बाइक खाक हो गई थी। गाड़ी के चक्कर में बेटे ने बाइक ही फूंक दी। ऐसे में परिवार सकते में है।

पत्नी ने दी धमकी तो पति ने जहर खाकर की आत्महत्या, मां ने बताया- रोज झगड़ती थी बहू

बांदा. यूपी के बांदा में विवाद के दौरान पत्नी ने जहर खाकर खुदकुशी कर लेने की धमकी पति को दी। इस पर पति ने नाराज होकर खुद ही जहर खा लिया और उसकी मौत हो गई। पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ के बाद शव को कब्जे में ले लिया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि आपसी कलह में पति ने जान दे दी है। मामले में मृतक की मां ने पुलिस को बताया कि दोनों बेटा और बहू के बीच रोजाना पैसों को लेकर झगड़ा होता था।

रथयात्रा के बाद भगदड़ 3 की मौत, : 50 घायल

- CM माझी ने माफी मांगी
- 2 अफसर सस्पेंड
- पुरी कलेक्टर-SP को हटाया

पुरी. ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के बाद रविवार तड़के करीब 4 बजे भगदड़ मच गई। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 घायल हैं। घायलों में 6 की हालत गंभीर है। हादसा जगन्नाथ मंदिर से करीब 3 किमी दूर गुंडिचा मंदिर के सामने हुआ। यहां भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ के दर्शन करने के लिए भारी भीड़ जुटी थी, इसी दौरान भगदड़ मची।

CM मोहन चरण माझी ने घटना पर माफी मांगी। उन्होंने X पर लिखा,'मैं और मेरी सरकार भगवान जगन्नाथ के सभी भक्तों से व्यक्तिगत रूप से क्षमा मांगते हैं। यह लापरवाही माफ करने लायक नहीं है।' इसके बाद राज्य सरकार ने पुरी के कलेक्टर और SP का तबादला कर दिया। चंचल राणा को नया कलेक्टर और पिनाक मिश्रा को नया SP बनाया गया है। साथ ही DCP और कमांडेंट को निलंबित कर दिया गया है।

इससे पहले शुक्रवार (27 जून) को देवी सुभद्रा के रथ के आसपास भीड़ का दबाव बढ़ने से 625 से ज्यादा श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ गई थी। प्रशासन के मुताबिक 70 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया गया था। इनमें से 9 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

रथयात्रा शुक्रवार को शुरू, रविवार को पूरी हुई

पुरी में शुक्रवार (27 जून) को शाम 4 बजे भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शुरू हुई थी। सबसे पहले भगवान बलभद्र का रथ खींचा गया। इसके बाद सुभद्रा और जगन्नाथ के रथ खींचे गए। पहले दिन बलभद्र का रथ 200 मीटर तक खींचा गया, सुभद्रा-भगवान जगन्नाथ के रथ भी कुछ दूरी तक खींचे गए।

शनिवार को फिर 10 बजे फिर रथयात्रा शुरू हुई। भक्तों ने तीनों रथों को खींचना शुरू किया। सुबह 11.20 बजे भगवान बलभद्र का रथ तालध्वज और दोपहर 12.20 बजे देवी सुभद्रा का दर्पदलन रथ और इनके बाद भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष रथ 1.11 बजे गुंडिचा मंदिर पहुंच गया है।

'इमरजेंसी में लोगों को प्रताड़ित किया गया'

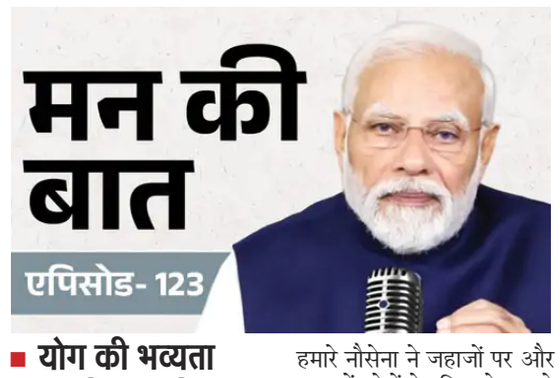

- योग की भव्यता बढ़ती जा रही

नई दिल्ली. पीएम नरेंद्र मोदी ने आज रेडियो शो 'मन की बात' के 123वें एपिसोड के तहत देश को संबोधित किया। एपिसोड की शुरुआत में उन्होंने योग दिवस के बारे में बात की। उन्होंने कहा- 21 जून को देश-दुनिया के करोड़ों लोगों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में हिस्सा लिया। योग की भव्यता बढ़ती जा रही, लोग दैनिक जीवन में इसे अपना रहे।

पीएम ने कहा- इस बार हमने योग दिवस की आकर्षक तस्वीरें देखीं। विशाखापत्तनम में 3 लाख लोगों ने एक साथ योग किया। हमारे नौसेना ने जहाजों पर और जम्मू में लोगों ने दुनिया के सबसे ऊंचे ब्रिज पर योग किया। वडनगर में 2100 लोगों ने एक साथ भुजंगासन करके रिकॉर्ड बना दिया।

पीएम ने आगे कहा- इमरजेंसी के दौर में लोगों को प्रताड़ित किया गया। अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गई। मीसा के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था। उन पर ऐसे ही अमानवीय अत्याचार किए गए। आखिर में जनता की जीत हुई और आपातकाल हटा लिया गया। जनता की जीत हुई और आपातकाल लगाने वालों की हार हुई।

मां देती हैं सेक्स करने की ट्रेनिंग

- नौवीं की छात्रा का सनसनीखेज आरोप

बेंगलुरु. बेंगलुरु में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पर नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा ने अपनी ही मां पर सनसनीखेज आरोप लगाया है। छात्रा का दावा है कि उसकी मां ही उसका यौन उत्पीड़न कर रही है। छात्रा का आरोप है कि उसकी मां, उसे सेक्स करने की ट्रेनिंग देती है। छात्रा के मुताबिक मां कहती हैं कि यह ट्रेनिंग शादी के बाद पति के साथ संबंध बनाने में काम आएगी। हालांकि महिला अपने बेटी के इन आरोपों से इनकार किया है। अब पुलिस इस मामले में जांच कर रही है।

मां ने किया इनकार

जानकारी के मुताबिक यह छात्रा नॉर्थ बेंगलुरु के एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ती है। वह अपनी 45 वर्षीय मां और बड़ी बहन के साथ रहती है। मां से मतभेद के चलते छात्रा के पिता परिवार से अलग रहते हैं। छात्रा का कहना है कि उसके साथ यह सिलसिला पिछले एक साल से चल रहा है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक पुलिस ने अभी घटना के बारे में पीड़ित छात्रा का बयान नहीं दर्ज किया है।

वहीं, छात्रा की मां को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई है। उसने आरोपों से इनकार किया है। महिला का दावा है कि उसने पूर्व में अपनी बेटी को डांटा है और उसकी पिटाई की है। लेकिन कभी भी अपने बेटी का यौन शोषण नहीं किया।

साजिश समेत हर एंगल से जांच होगी

- केंद्रीय मंत्री बोले- ब्लैक बॉक्स भारत के पास
- इन्वेस्टीगेशन के लिए विदेश नहीं भेजेंगे

अहमदाबाद. अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है, जिसमें साजिश (सबोटाज) की संभावना को भी खंगाला जा रहा है। यह जानकारी केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने दी है। उन्होंने कहा कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (AAIB) इस मामले की पूरी जांच कर रहा है। ब्लैक बॉक्स भारत में (AAIB के पास) है, उसे बाहर नहीं भेजा जाएगा।

केंद्रीय मंत्री मोहोल पुणे में NDTV के कार्यक्रम 'एमर्जिंग बिजनेस कॉन्क्लेव' में बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण हादसा था। AAIB इसकी हर एंगल से जांच कर रहा है। CCTV फुटेज देखे जा रहे हैं और कई एजेंसियां मिलकर जांच में जुटी हैं।'

अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट AI 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। सिर्फ एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है।

रिपोर्ट तीन महीने में आने की संभावना

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हादसे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह इंजन फेलियर, फ्यूल सप्लाई की समस्या या कोई तकनीकी गड़बड़ी की वजह से हुआ। ब्लैक बॉक्स में मौजूद CVR और FDR की जांच की जा रही है। 3 महीने में रिपोर्ट आने की संभावना है।
उन्होंने बताया कि DGCA (नागर विमानन महानिदेशालय) के आदेश पर एअर इंडिया के सभी 33 ड्रीमलाइनर विमानों की जांच कर ली गई है और सब कुछ सुरक्षित पाया गया है। ये हादसा एक अपवाद था, अब लोग बिना डर के यात्रा कर सकते हैं।

प्लेन क्रैश की जांच में संयुक्त राष्ट्र शामिल होगा

एअर इंडिया के ड्रीमलाइनर प्लेन हादसे की जांच में संयुक्त राष्ट्र शामिल होगा। संयुक्त राष्ट्र की विमानन संस्था ICAO (इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन) के एक विशेषज्ञ को ऑब्जर्वर के तौर पर शामिल होने की इजाजत भारत सरकार ने दे दी है। ICAO ने जांच में शामिल होने की इजाजत मांगी थी। भारत ने पारदर्शिता के साथ जांच करने के इरादे से संयुक्त राष्ट्र को इसमें शामिल करने का फैसला लिया है।

CJI बोले- आर्टिकल 370 अंबेडकर के विचार के खिलाफ था

- वे हमेशा एक संविधान के पैरोकार रहे
- गवई फैसला सुनाने वाली बेंच का हिस्सा थे

> आर्टिकल 370 केस की सुनवाई के दौरान मुझे अंबेडकर के शब्द याद आए कि देश को एकजुट रखना चाहते हैं तो एक संविधान की आवश्यकता है।
>
> **बीआर गवई**
> SC चीफ जस्टिस

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने शनिवार को कहा- आर्टिकल 370 बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के देश के लिए एक संविधान की सोच के खिलाफ था। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने देश को एकजुट रखने के लिए एक संविधान की पैरोकारी की थी। कभी किसी राज्य के लिए अलग संविधान के विचार का समर्थन नहीं किया।

गवई ने आगे कहा- जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने के केंद्र के फैसले को बरकरार रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 'एक संविधान' के तहत अखंड भारत के अंबेडकर के दृष्टिकोण से प्रेरणा ली। चीफ जस्टिस ने शनिवार को महाराष्ट्र के नागपुर में संविधान प्रस्तावना पार्क के उद्घाटन के मौके पर यह बात कही।

सीजेआई गवई तत्कालीन सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की उस संविधान पीठ का हिस्सा थे, जिसने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र के फैसले को बरकरार रखा था।

डेढ़ साल पहले SC ने जम्मू-कश्मीर से 370 हटाने का फैसला बरकरार रखा था

11 दिसंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने का केंद्र सरकार का फैसला बरकरार रखा था। सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने कहा था - आर्टिकल 370 अस्थायी प्रावधान था। संविधान के अनुच्छेद 1 और 370 से स्पष्ट है कि जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। भारतीय संविधान के सभी प्रावधान वहां लागू हो सकते हैं।

कचरे के ट्रक में मिली महिला की लाश

बेंगलुरु. बेंगलुरु से एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां पुलिस को कचरे के ट्रक में एक बोरे में भरी हुई महिला की लाश मिली है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मुताबिक महिला कि उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष है, फिलहाल उसकी पहचान नहीं की जा सकी है। आरोपियों ने उसके हाथ पैर बांधकर उसके शव को बोरे में भरकर कचरे के ट्रक में फेंक दिया था। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है.

हिंदी थोपने से 90 हजार छात्र फेल

- तमिलनाडु के मंत्री का बड़ा दावा
- केंद्र सरकार पर सवाल

चेन्नई. इस समय हिंदी भाषा को लेकर दक्षिण भारतीय राज्यों में बवाल मचा हुआ है। इन सबके बीच तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री अन्बिल महेश पोयामोझी ने कर्नाटक को लेकर एक दावा किया है। इस दावे के मुताबिक कर्नाटक में हिंदी भाषा थोपने के चलते 90 हजार स्टूडेंट बोर्ड एग्जाम में फेल हो गए। तमिलनाडु के मंत्री ने यह बातें स्कूल कॉम्पटीशन के दौरान छात्रों को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हुए केंद्र सरकार की लैंग्वेज पॉलिसी और एजुकेशन फंडिंग पर सवाल उठाए।

छात्रों को विकल्प मिले

मंत्री ने आगे कहाकि भाषा सीखना छात्रों के लिए एक विकल्प होना चाहिए। उन्होंने कहाकि तीसरी भाषा एक विकल्प होना चाहिए, न कि एक मजबूरी। साथ ही शिक्षा नीतियों में लचीलापन की जरूरत पर जोर दिया। केंद्र सरकार पर सीधा हमला करते हुए, अन्बिल महेश ने संघीय सरकार पर उच्च प्रदर्शन करने वाले राज्यों जैसे तमिलनाडु और केरल से महत्वपूर्ण शिक्षा फंड रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहाकि केंद्र राज्यों को शिक्षा फंड दबाकर धमकी दे रहा है।

इससे पहले डीएमके सांसद कनिमोझी ने उत्तर भारतीयों से दक्षिण भारतीय भाषाएं सीखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर हिंदी किसी भी भाषा की दुश्मन नहीं है, तो तमिल भी किसी भी भाषा की दुश्मन नहीं है। उन्हें तमिल सीखने दें।

ईरान जल्द बना लेगा परमाणु बम!

- ट्रंप के 'सब कुछ तबाह' वाले दावों के बीच IAEA की बड़ी चेतावनी

अमेरिका और इजरायल के हमलों के बावजूद ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। यह बड़ा खुलासा संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था IAEA के प्रमुख राफेल ग्रोसी ने किया है। उनका कहना है कि ईरान कुछ ही महीनों में यूरेनियम संवर्धन फिर से शुरू कर सकता है, यानी परमाणु बम बनाने के बहुत करीब है। उनका दावा है कि ईरान की तकनीकी और औद्योगिक क्षमताएं अब भी सलामत हैं। बता दें कि इजरायल से सीजफायर के तुरंत बाद ईरान ने अपनी संसद में प्रस्ताव पास करके IAEA से संपर्क तोड़ दिया था।

यह बयान सीधे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को चुनौती देता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों को 'पूरी तरह तबाह' कर दिया और देश को 'दशकों पीछे धकेल दिया' है।

सीनियर अधिकारियों के बच्चों को क्यों मिले आरक्षण का लाभ?

- CJI ने SC/ST में क्रीमी लेयर को सही ठहराया

नई दिल्ली. भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश (CJI) भूषण रामकृष्ण गवई ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा SC/ST के भीतर क्रीमी लेयर सिद्धांत को लागू करने की मान्यता देना बतौर न्यायाधीश उनके करियर के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक रहा है। उन्होंने इसे सामाजिक न्याय को परिष्कृत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। उन्होंने कहा, 'उच्च पद पर बैठे SC/ST जाति के अधिकारियों के बच्चों को उन्हीं लाभों का पात्र मानना आरक्षण की मूल भावना को कमजोर करता है। वह इसी का लाभ लेकर इस पद पर पहुंचे हैं।' CJI गवई ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में यह बातें कही हैं।

यह टिप्पणी उस जनहित याचिका (PIL) पर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के बाद आई है जिसमें SC/ST समुदाय के भीतर उप-वर्गीकरण (sub-categorisation) को मंजूरी दी गई है ताकि आरक्षण का लाभ वंचितों तक सही रूप में पहुंच सके।

14 मई को 52वें सीजेआई नियुक्त किए गए गवई ने न्यायिक अतिक्रमण के खिलाफ भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'न्यायिक सक्रियता बनी रहेगी, लेकिन इसे न्यायिक दुस्साहस या न्यायिक आतंकवाद नहीं बनना चाहिए। संसद कानून बनाती है, कार्यपालिका उन्हें लागू करती है और न्यायपालिका संवैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करती है। अतिक्रमण इस संतुलन को बिगाड़ता है। संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, यह सामाजिक परिवर्तन का एक साधन है।"

CJI गवई ने रिटायरमें के बाद किसी भी सरकारी पद को अस्वीकार करने की बात स्पष्ट रूप से कही है। उन्होंने कहा, 'यह मेरे व्यक्तिगत सिद्धांत की बात है।' उनका मुख्य ध्यान सुप्रीम कोर्ट में लंबित 81,000 मामलों को कम करने और ग्रामीण न्यायालयों के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने पर है। आपको बता दें कि वह दूसरे दलित और पहले बौद्ध मुख्य न्यायाधीश हैं।

एशिया कप 2025 : 10 सितंबर से शुरू हो सकता है, 6 टीमें लेंगी हिस्सा

- भारत-पाक मैच हाइब्रिड मॉडल पर होने की संभावना,
- जुलाई में आ सकता है शेड्यूल

एशिया कप 10 सितंबर से शुरू हो सकता है, हालांकि एशिया क्रिकेट काउंसिल (ACC) की ओर से आधिकारिक रूप से अभी तक इस पर कुछ भी नहीं कहा गया है। एशिया कप 2025 भारत में होना है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार ACC टी-20 फॉर्मेट में खेले जाने वाले एशिया कप का शेड्यूल 10 जुलाई के पहले सप्ताह में हो सकता है। टूर्नामेंट में पाक का मैच हाइब्रिड मॉडल पर कराने को लेकर भी जल्द फैसला हो सकता है।

पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत-पाक के बीच तनाव

अप्रैल में पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत की ओर से 6-7 मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे। ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। दोनों देशों के बीच राजनीतिक संबंध खराब हैं। ऐसे में एशिया कप में पाकिस्तान के आने की संभावना खत्म हो गई।

वहीं, टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर भी सवाल खड़े हो गए थे। ACC आधिकारिक रूप से इसे शिफ्ट कर UAE या हाइब्रिड मॉडल पर कराने को लेकर जुलाई के पहले हफ्ते फैसला ले सकती है।

चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेले गए थे

इस साल फरवरी में हुई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया पाकिस्तान नहीं गई थी। भारत के सभी मैच UAE में कराए गए थे, यही नहीं एक सेमीफाइनल और फाइनल भी UAE में ही हुए थे। भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हरा कर खिताब अपने नाम किया था।

भारत-पाक के अलावा 4 टीमें लेंगी हिस्सा

एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के अलावा अफगानिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और UAE हिस्सा लेगी।

रूस का अब तक का सबसे बड़ा हमला

रूस ने शनिवार रात यूक्रेन पर तबाही बरसाई। एक ही रात में 477 आत्मघाती ड्रोन और 60 मिसाइलों से हमला किया गया। इस हमले में यूक्रे का तीसरा F-16 लड़ाकू विमान भी मार गिराया। पायलट की भी मौत हो गई है। यूक्रेनी सेना ने इस हमले को हाल के सप्ताहों का सबसे बड़ा और सबसे भयानक हवाई हमला करार दिया है। हमलों के बाद जेलेंस्की ने अमेरिका समेत दुनियाभर के देशों से भावुक अपील भी की है। यूक्रेनी वायुसेना ने बताया कि पायलट ने आखिरी पल तक दुश्मन से लोहा लिया और विमान को आबादी वाले इलाके से दूर ले जाकर बड़ा नुकसान टालने की कोशिश की, लेकिन खुद को नहीं बचा सका। यूक्रेनी सेना ने 211 ड्रोन और 38 मिसाइलें मार गिराने का दावा किया, लेकिन बाकी हमलों ने कई इलाकों को हिला दिया। ल्विल, पोल्टावा, मायकोलाइव, निप्रोपेत्रोव्स्क, चेरकासी और इवानो-फ्रैंकिव्स्क जैसे प्रमुख क्षेत्रों में धमाके हुए।

हर रोज 16 बार देखता हूं सूर्योदय और सूर्यास्त

- शुभांशु शुक्ला ने बताया ISS पर क्या है सबसे बड़ी चुनौती

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) पहुंचकर इतिहास रचने वाले ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत के दौरान कई हैरान करने वाली बातें भी बताईं। उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष से भारत बहुत भव्य दिखाई देता है। मैप में भारत को जितना बड़ा दिखाया जाता है उससे कहीं ज्यादा बड़ा यह वास्तविकता में नजर आता है। शुक्ला ने कहा कि यह केवल उनका सफर नहीं है बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का सफर है।

शुभांशु शुक्ला ने कहा कि वह अंतरिक्ष में 28 हजार किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से सफर कर रहे हैं। हालांकि स्पेस स्टेशन के अंदर होने की वजह से उन्हें यह रफ्तार पता नहीं चलती है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने खिड़की से बाहर देखा तो वह हवाई के ऊपर से गुजर रहे थे। उन्होंने कहा कि पृथ्वी की कक्षा से हम रोज 16 बार सूर्यास्त और सूर्योदय देखते हैं। हमारा देश बहुत रफ्तार से आगे बढ़ रहा है।

यहां से नजर नहीं आतीं सीमाएं

शुभांशु शुक्ला ने पीएम मोदी को बताया कि अंतरिक्ष से पृथ्वी बहुत बड़ी नजर आती है लेकिन इसपर सीमाएं नहीं दिखती हैं। उन्होंने कहा, भारत बहुत भव्य और बहुत बड़ा दिखता है। बता दें कि गुरुवार को शुक्ला और अन्य दो अंतरिक्षयात्री आईएसएस पहुंचे हैं। 28 घंटे के सफर के बाद वे आईएसएस पर पहुंचे हैं।

पृथ्वी की 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर परिक्रमा कर रहे आईएसएस पर मौजूद शुक्ला से बातचीत करते हुए मोदी ने कहा कि आपकी ऐतिहासिक यात्रा सिर्फ अंतरिक्ष तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह विकसित भारत की दिशा में किये जा रहे प्रयासों को नयी गति प्रदान करेगी। शुक्ला ने कहा कि अंतरिक्ष स्टेशन की उनकी यात्रा न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह पूरे राष्ट्र की सामूहिक उपलब्धि है।

> ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने कहा कि इस अलग माहौल में रहने के लिए उन्होंने करीब एक साल तक ट्रेनिंग ली है। इसके बाद भी उन्हें कुछ अलग चीजों का सामना करना पड़ रहा है। जैसे कि वहीं बर माइक्रो ग्रैविटी है। शुक्ला ने कहा कि, यहां सोना बड़ी चुनौती है। कोई जमीन पर सो सकता है, छत पर जा सकता है लेकिन यहां ऐसा कुछ भी नहीं है। उन्होने पीएम मोदी को बताया, इस समय मैं बात भी कर रहा हूं तो मेरे पैर बंधे हुए हैं। नहीं तो मैं ऊपर की ओर उठ जाता।

संक्षेप...

कैफे में युवती से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी. निजामपुरा इलाके में घड़ी की दुकान चलाने वाले फैजान पिंजारी नामक युवक ने एक 27 वर्षीय युवती के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने भोईवाडा पुलिस थाने में दर्ज शिकायत में बताया कि आरोपी उसका पुराना मित्र था और दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। घटना के दिन आरोपी ने उसे मिलने के बहाने बुलाया और फिर भावनात्मक दबाव बनाकर एक स्थानीय कैफे में ले गया, जहां उसके साथ जबरदस्ती की। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर फैजान को गिरफ्तार कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2) (ड) के तहत मामला दर्ज किया है। इस घटना के बाद शहर में मौजूद अवैध कैफों पर सवाल खड़े हो गए है। जानकारी के अनुसार, भिवंडी के धामणकर नाका, कल्याण नाका, पायल टॉकीज परिसर सहित स्कूल कॉलेज के आसपास कई ऐसे कैफे चल रहे हैं, जहां प्रति घंटे 300 से 500 रुपये लेकर प्रेमी युगलों को प्राइवेट रूम मुहैया कराए जाते हैं।

अडानी इलेक्ट्रिसिटी और टोरेंट पावर की MMR रीजन में एंट्री

उपभोक्ता चुन सकेंगे अपनी पसंद की बिजली कंपनी

■ MERC ने निजी कंपनियों के समानांतर लाइसेंस आवेदनों को दी मंजूरी

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग (MERC) द्वारा हाल ही में निजी कंपनियों के समानांतर बिजली वितरण लाइसेंस आवेदनों को स्वीकार करने के बाद, ठाणे, मुंबई महानगर क्षेत्र (MMR), पुणे और नागपुर के लाखों बिजली उपभोक्ताओं को अब बिजली आपूर्ति कंपनी चुनने की स्वतंत्रता मिलेगी।

अब तक राज्य विद्युत वितरण कंपनी (MSEDCL) का इन क्षेत्रों में एकाधिकार था, लेकिन MERC के इस निर्णय से निजी कंपनियों जैसे अडानी इलेक्ट्रिसिटी और टोरेंट पावर को भी इन क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति करने का मौका मिलेगा। यह प्रतिस्पर्धा उपभोक्ताओं के लिए बेहतर दरें, उन्नत सेवा गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करेगी।

उपभोक्ताओं को होंगे ये लाभ :

- अब उपभोक्ता स्वयं तय कर सकेंगे कि उन्हें बिजली किस कंपनी से लेनी है।
- प्रतिस्पर्धा से सेवा की गुणवत्ता में सुधार होगा और शिकायतों का समाधान तेज़ी से होगा।
- दरें MERC द्वारा तय सीमा के भीतर रहेंगी, लेकिन कंपनियों में बेहतर प्रस्ताव देने की होड़ लगेगी।
- इससे राज्य में बिजली वितरण का आधुनिकीकरण और निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा।
- यह निर्णय महाराष्ट्र में उपभोक्ताओं के हितों की दिशा में एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम है, जो भविष्य में देश के अन्य राज्यों के लिए भी एक आदर्श बन सकता है।

■ सार्वजनिक सुनवाई और जन सुझावः

उक्त संदर्भ में टोरेंट पावर जनसंपर्क अधिकारी चेतन बदियानी ने बताया कि MERC ने जनता से 16 जुलाई 2025 तक सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की हैं।

■ सार्वजनिक सुनवाई की तिथियांः

22 जुलाईः पुणे व नागपुर (टोरेंट पावर के लिए)

23 जुलाईः ठाणे व अन्य MMR क्षेत्र (अडानी व टोरेंट के लिए)

आजादी के 70 साल बाद भी आदिवासी पाड़ा के नागरिकों को नहीं मिला रास्ता

■ रेलवे लाईन पर जान जोखिम में डालकर आना जाना पड़ता है घर

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी तालुका के खारबाव रेलवे स्टेशन के पास बंगला पाड़ा क्षेत्र में 40 घरों की बस्ती आदिवासी पाड़ा के ग्रामीण आज भी सड़क समेत मूलभूत सुविधाओं से जूझ रहे हैं. क्षेत्र में सड़क न होने के कारण नागरिक और स्कूली छात्र हर दिन दिवा वसई रेलवे लाइन की पटरी पार करके तो कभी सड़क पर खड़ी मालगाड़ियों के नीचे से गुजरकर जान जोखिम में डालकर यात्रा कर रहे हैं. रेलवे फाटक या सुरक्षित मार्ग न होने के कारण यहां स्कूली बच्चों को अपने अभिभावकों के साथ सीधे रेलवे ट्रैक पार करना पड़ता है, जो बेहद खतरनाक है. इस यात्रा का वीडियो स्थानीय लोगों ने वायरल किया है.बरसात के दिनों में रेलवे पुल के नीचे पानी जमा हो जाता है.चूंकि कॉरिडोर रेलवे लाइन निर्माणाधीन है, इसलिए वह मार्ग भी बंद है. वाहनों के लिए कोई रास्ता नहीं है.बीमार लोगों को भी ट्रैक पार करना पड़ता है.

रेलवे के नीचे अंडरपास या फुटओवर ब्रिज बनाने की मांग ग्रामीणों की पिछले कई सालों से होने के बावजूद प्रशासन आंखे बंद किए बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है. जागरूक महिला हर्षदा चौधरी ने मांग की है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को इस गंभीर समस्या पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है.

गांव की गंभीर समस्या की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने तुरंत रेल मंत्री को पत्र लिखकर यहां की समस्या का अविलंब समाधान करने की मांग की है.

–सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा
सांसद भिवंडी लोकसभा

समुद्र से कचरा हटाने के लिए रिमोट नाव

■ बधवार पार्क में तैनात होगी

मुंबई. समुद्र से कचरा साफ करने के लिए मनपा ने दो आधुनिक रिमोट नाव खरीदी हैं। इन नाव की मदद से समुद्र में तैरते कचरे को मशीन की सहायता से इकट्ठा किया जाएगा। मनपा इन दो नाव का उपयोग बधवार पार्क और गेटवे ऑफ इंडिया के पास किया जाएगा। सोमवार से पहली नाव का उपयोग बधवार पार्क के समुद्र में उपयोग किया जाएगा। दूसरी नाव अगले सप्ताह के अंत तक गेटवे ऑफ इंडिया के पास समुद्र में तैनात की जाएगी। मुंबई की नदियों और नालों से बहकर आने वाला कचरा सीधे समुद्र में पहुंचता है, जिससे समुद्र का पानी प्रदूषित होता है और समुद्री किनारों की सुंदरता प्रभावित होती है। ग्रीन ट्रिब्यूनल, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और कोर्ट ने भी मनपा को इस कचरे को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने के आदेश दिए थे। मनपा ने तैरते हुए कचरे को समुद्र में जाने से रोकने के लिए 'ट्रैश बूम राफ्ट' सिस्टम का इस्तेमाल करीब तीन साल पहले पश्चिमी उपनगरों के छह नालों में से प्रत्येक में एक और मीठी नदी के तीन मुहाने पर इसका इस्तेमाल करना शुरू किया था। कचरा राफ्ट के जाल में फंस जाता है और ट्रैश बूम द्वारा उसे निकाल

दिया जाता है। इससे कीचड़ और बहते हुए कचरे को समुद्र में जाने से रोका जा सकता है। ट्रैश बूम के साथ राफ्ट का इस्तेमाल जल्द ही पूर्वी उपनगरों के आठ नालों में किया जाएगा।

नाले में तैरते कचरे को हटाने के लिए जब ये उपाय किए जा रहे थे, तब मनपा के पास समुद्र में बहकर आ रहे कचरे को हटाने की कोई व्यवस्था नहीं थी। मनपा कचरा प्रबंधन विभाग ने इस कचरे को हटाने के लिए मानव रहित इलेक्ट्रिक नाव जैसी तकनीक अपनाने का फैसला किया। गेटवे ऑफ इंडिया और बधवार पार्क हमारे शहर के दो महत्वपूर्ण स्थान हैं और यहां बड़ी संख्या में पर्यटक और मुंबईकर आते हैं। इस क्षेत्र में समुद्र में बह रहे कचरे ने तट की सुंदरता को खतरे में डाल दिया और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचा रहा है। इसलिए इन दोनों जगहों पर मानव रहित रिमोट से नियंत्रित नावों का इस्तेमाल करने का निर्णय लिया।

पिछले कुछ वर्षों से गेटवे ऑफ इंडिया और बधवार पार्क क्षेत्रों में प्लास्टिक, शैवाल और समुद्र में तैरते कचरे की मात्रा बढ़ती जा रही है।

एसटी की जगह पर राज्य का सबसे बड़ा स्क्रैपिंग सेंटर बनेगा

ठाणे. एसटी महामंडल सार्वजनिक-निजी भागीदारी के आधार पर सबसे बड़ा स्क्रैपिंग सेंटर स्थापित करेगा जिससे भविष्य में एसटी के लिए आय का एक अलग और टिकाऊ स्त्रोत तैयार होगा यह बात परिवहन मंत्री और एसटी महामंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने कही।वह 27 जून को इस संबंध में बुलाई गई एसटी महामंडल की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। बैठक में एसटी महामंडल के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. माधव कुसेकर और सभी विभागाध्यक्ष मौजूद थे।केंद्र सरकार ने वर्ष 2021 में पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा के नाम से 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों को स्क्रैप

करने और उन्हें इस तरह से निपटाने का प्रस्ताव दिया है कि उनके स्पेयर पार्ट्स का दोबारा उपयोग न हो। इसके लिए एक नई नीति बनाई गई है। महाराष्ट्र सरकार ने वर्ष 2023 में इस नीति को अपनाया है और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड की शर्तों के अनुसार स्क्रैपिंग सेंटर को मंजूरी देने का फैसला किया है। एसटी निगम को राज्य में 3 स्थानों पर ऐसे स्क्रैपिंग सेंटर स्थापित करने की अनुमति भी दी गई है, और राज्य का पहला और सबसे बड़ा स्क्रैपिंग सेंटर सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से छत्रपति संभाजी नगर जिले के खुल्ताबाद में एसटी की 100 एकड़ जमीन पर तैयार किया जाएगा।

आय का नया स्त्रोत

मंत्री सरनाईक ने कहा कि वर्तमान में सरकार की अनुमति से राज्य में 8 संगठन स्क्रैपिंग सेंटर चला रहे हैं और उनकी क्षमता प्रति वर्ष कम से कम 1000 वाहनों को स्क्रैप करने की है। सरकार की ओर से ऐसी संस्थाओं को अनुमति देने वाला परिवहन विभाग भी मेरे अधिकार क्षेत्र में है, इसलिए एसटी के अध्यक्ष और परिवहन मंत्री होने के नाते मुझे पूरा विश्वास है कि इस परियोजना में तेजी लाकर भविष्य में एसटी के माध्यम से सबसे अधिक वाहनों को वैज्ञानिक तरीके से स्क्रैप करने और निपटाने का सबसे बड़ा केंद्र स्थापित किया जाएगा और इससे आय का एक नया स्त्रोत तैयार होगा।

उल्हासनगर में 'केशरी ब्लड सेंटर' का शुभारंभ

■ नवपंख फाउंडेशन की सराहनीय पहल

उल्हासनगर. नवपंख फाउंडेशन द्वारा उल्हासनगर शहर में एक अत्याधुनिक 'केशरी ब्लड सेंटर' का रविवार को भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। यह नया रक्त केंद्र सिंधु आयुर्वेदिक हॉस्पिटल, सेंट्रल हॉस्पिटल रोड, नेहरू चौक, वैष्णो होटल के पास, उल्हासनगर-2 में स्थित है।

इस ब्लड सेंटर की स्थापना का मुख्य उद्देश्य उल्हासनगर और

आसपास के क्षेत्रों में जरूरतमंद मरीजों को 24 घंटे रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, ताकि आपातकालीन स्थिति में तुरंत सहायता मिल सके। यह पहल समाजसेवा की भावना के साथ शुरू की गई है, जिससे रक्त की कमी के कारण किसी भी मरीज की जान को खतरा न हो।

सभी अतिथियों ने इस सामाजिक कार्य की खुले दिल से सराहना की और भविष्य में भी पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर केशरी ब्लड सेंटर के सचिव सतीश मराठे व उनकी टीम को इस कार्य के लिए बधाई दी गई और उन्हें आगे भी समाजसेवा में अग्रसर रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उद्घाटन अवसर पर सैकड़ों लोगों ने रक्तदान भी किया। टीम में किशोर बडगुजर, पवन पचगाडे, अमोल देशमुख, रुपेश पाटील, शिवाजी रगड़े, सोनू विशनानी आदि पदाधिकारियों ने अतिथियों को सेंटर की जानकारी दी।

गरीब बच्चों को धनादेश, पाठ्य सामग्री देकर मनाया जन्मदिन

■ अखिल पद्मशाली समाज की नई कार्यकारिणी का हुआ गौरव

भिवंडी. भिवंडी मनपा पूर्व शिक्षण सभापति एवं नागरिक सहकारी बैंक पूर्व प्रेसिडेंट,भाजपा महासचिव राजू गाजेंगी का जन्मदिन समर्थकों द्वारा गरीब, जरूरतमंद बच्चों को फीस के लिए धनादेश,पाठ्य सामग्री,बैग आदि प्रदान कर मनाया गया.कोंबड पाड़ा स्थित स्व.आर आर भवन सभागृह एवं कामतघर स्थित जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित भव्य जन्मदिन कार्यक्रम में अखिल पद्मशाली समाज के गणमान्य लोग सहित भारी संख्या में भाजपा पदाधिकारी,कार्यकर्ता,शुभचिंतकों ने भाजपा शहर वरिष्ठ महासचिव राजू गाजेंगी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर लंबी उम्र,बेहतर स्वास्थ्य,कुशल राजनैतिक जीवन की कामना करते हुए जन्मोत्सव की बधाई दी.

गौरतलब हो कि,भिवंडी मनपा पूर्व शिक्षण सभापति,नागरिक बैंक पूर्व चेयरमैन एवं भाजपा शहर महासचिव राजू गाजेंगी के जन्मदिन अवसर पर कोंबड पाड़ा स्थित स्व.आर.आर. भवन सभागृह में उनके बड़े भाई समाजसेवक, भाजपा वरिष्ठ नेता कृष्णा गाजेंगी द्वारा करीब 61 गरीब जरूरतमंद बच्चों को स्कूल फीस में सहयोग की खातिर प्रति बच्चे को 2,000 रुपए का धनादेश प्रदान किया गया.गरीब बच्चों को पाठ्य सामग्री,स्कूल बैग भी दिया गया.

जन्मोत्सव कार्यक्रम मौके पर अखिल पद्मशाली समाज भिवंडी के नवनियुक्त अध्यक्ष रामकृष्ण पोटाबट्टनी, कार्याध्यक्ष कोंका मल्लेशम, सेक्रेट्री राजू गाजेंगी सहित कार्यकारी मंडल के 15 सदस्यों का सम्मान वरिष्ठ समाजसेवक,भाजपा नेता कृष्णा गाजेंगी, एड व्यंकटेश चिटकेन, मोहन बल्लाल, श्रीनिवास अडिगोप्पला, कोंडा गाजेंगी, श्रीनिवास सिरमल्ले,नरेंद्र वेंगल, नागेश जमपाल द्वारा पुष्पगुच्छ, शाल प्रदान कर गर्मजोशी से किया गया.

आम सूचना

मैं श्री योगेश प्रशांत सातम सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, बैरक नं. 1361 के सामने, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 42सीओ022570400) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती इच्छीता गोविंद बाबल के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 21.6.2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री योगेश प्रशांत सातम

आम सूचना

मैं श्रीमती ललितादेवी रामब्रिश गुप्ता सभी को सूचित कर रही हूं कि शॉप, ब्लॉक नं. ए-510 के पीछे, स्टेशन रोड, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 40सीओ008903900) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती रेखा चंद्रभान गुप्ता, श्रीमती पूजा उमेश गुप्ता व मिस आरती रामवृक्ष गुप्ता के नाम पर है। उनसे रिलीज एग्रीमेंट दि. 22.6.2025 द्वारा प्राप्त की है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती ललितादेवी रामब्रिश गुप्ता

आम सूचना

मैं श्री संदीप भास्कर धीवारे सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, यू.नं. 184, शीट नं. 15, जगजीवनराम नगर, महेश्वरी टेलर के पास, उल्हासनगर रेलवे स्टेशन के सामने, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 42सीओ009532700) उक्त प्रॉपर्टी श्री संदीप भास्कर धीवारे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 27.6.2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री संदीप भास्कर धीवारे

कामयाबी के साथ मुफ्त मिलता है अकेलापन!

■ जैकी श्रॉफ बोले मैंने शाहरुख को अकेले बैठे देखा है

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान जैसी जिंदगी कौन नहीं पाना चाहता। करोड़ों चाहने वाले, समंदर किनारे मन्नत जैसा घर और बेशुमार दौलत। लेकिन क्या शाहरुख खान होने के कोई नुकसान भी हैं? एक्टर जैकी श्रॉफ ने हालिया इंटरव्यू में बताया कि कैसे शाहरुख खान शूटिंग के दौरान सेट पर अकेले बैठे होते हैं और अपने स्टारडम की वजह से ही शायद वह सबसे ज्यादा अकेलापन भी महसूस करते होंगे।

जैकी श्रॉफ ने विकी लालवानी के साथ इंटरव्यू में बताया, 'अकेलापन, एक खालीपन फील होना चाहिए हर एक्टर को, यह मेरे को किसी ने बोला था।' 'देवदास' और 'किंग अंकल' जैसी फिल्मों में शाहरुख खान के साथ काम कर चुके जैकी श्रॉफ ने कहा, 'तो मैंने उन्हें अकेले बैठे देखा है। वह मेरे छोटे भाई का किरदार निभा रहे थे। वह अपने काम पर बहुत फोकस्ड थे, उनमें एक अलग ही चार्म था। लेकिन वह अकेले थे। जैसे मैं अकेला था, वो भी अकेले थे। मुझे वो वाइब पसंद आई।'

कामयाबी के साथ अकेलापन मिला

जैकी श्रॉफ ने बताया कि देवदास से पहले वह शाहरुख खान के साथ 'वन टू का फोर' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। जैकी श्रॉफ ने बताया कि एक बार आप कामयाबी के शिखर पर पहुंच जाते हैं तो अकेलापन महसूस करते हैं। यह बहुत स्वाभाविक है। मुझे लगता है कि अगर आप एवरेस्ट के टॉप पर होंगे तो आपके साथ सिर्फ आपकी परछाई होगी। बाकी वहां ऊपर सिर्फ अकेलापन होता है। जैकी श्रॉफ ने बताया कि उन्होंने अपनी जिंदगी में ठीक वैसा महसूस किया है जैसा शाहरुख करते हैं।

जीव में है ईश्वर का गुण : राजेंद्रदास

ठाणे. मानव धर्म प्रचार सम्मेलन का एक भव्य आयोजन ठाणे पश्चिम केसर मिल स्थित कच्छ कडवा पाटीदार समाजवाडी में किया गया था, जिसमें महामंडलेश्वर श्री राजेंद्र दास जी बापू ने अपनी अमृत वाणी से मानव धर्म पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जीव में ईश्वर का गुण है,लेकिन ईश्वर की सामर्थ्य नहीं है। उन्होंने सत्य , न्याय और धर्म के बारे में बताया।

बापू ने कहा कि यदि मानव में सेवा की भावना है तो वह बिना साधना से भगवान को प्राप्त कर सकता है। यह धार्मिक प्रवचन का आयोजन मानव धर्म प्रसार शाखा ठाणे (मुंबई) द्वारा आयोजित किया गया था। ब्रह्मलीन श्री गंगादास महाराज के शिष्य राजेंद्र दास गाजीपुर के बयेपुर देवकली स्थित श्री गंगादास बाबा आश्रम के अध्यक्ष हैं। इस मानव धर्म प्रसार सम्मेलन में अध्यक्ष रतनशी भाई पटेल,किशोर भाई पटेल, रतिलाल भाई पटेल, कांति भाई पटेल,केतन भाई पटेल, नंदू भाई पटेल, मा ऊजी भाई के अलावा काफी संख्या में महिला और पुरुष उपस्थित थे।

श्री दुर्गा माता मंदिर के प्रांगण में सुंदरकांड पाठ का आयोजन

ठाणे. श्री दुर्गा माता सेवा संस्था की ओर से आयोजित सुंदरकांड पाठ व भजन कीर्तन को सुनकर उपस्थित भक्त हुए भावविभोर।प्रत्येक शनिवार शाम 8 बजे से सुंदरकांड पाठ व भजन कीर्तन मंदिर के प्रांगण में देर रात तक चलता है।सुंदर कांड व भजन गायक नागेंद्र शर्मा, बजरंगी,अतुल विश्वकर्मा ,रवि पाण्डेय, संतोष पाण्डेय, प्रहलाद दूबे, राकेश पाण्डेय, अभय कुमार सिंह,लकी मिश्रा कोरस देने वाले अतुल विश्वकर्मा , संजय तिवारी, ढोल वादक शिवकुमार सिंह ,मनोज मिश्रा , राकेश पाण्डेय,जगदीश तिवारी , अतुल विश्वकर्मा ने सुनाकर भावविभोर कर दिया।

आम सूचना

मैं श्रीमती आसमा बानो मोहम्मद तुफैल शेख सभी को सूचित कर रही हूं कि शेड नं. 5, सरकारी जमीन, पार्ट व प्लाट नं. 782, 788, 793, जय जनता कालोनी के पास, जयपाल पावर लुम के सामने, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 51डीआय012713900) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती गाजाला अनिस शेख उर्फ गाजाला अनिसुर रहमान खान के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 23.6.2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती आसमा बानो मोहम्मद तुफैल शेख

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099